03-01-2019

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 03 जनवरी 2019 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक एंड प्रिवेंटिव डेनटेस्ट्री, फैकेल्टी ऑफ डेंटल साइंसेज द्वारा "Guided Endodontic Repair In Necrotic Immature Permanent Teeth" के विषय पर एक ऑरेशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अमेरिका की डॉ0 प्रियांशी रितविक ने अपने व्याख्यान में बच्चों को खेल एवं अन्य गतिविधियों के दौरान दांत में चोट लगने के उपरांत उनके उपचार पर जानकारी दी।

डॉ0 प्रियांशी रितविक ने बताया कि खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों के दौरान बच्चों को जबड़े में चोट लग जाती है, जिस वजह से दांतों को नुकसान पहुंचता है या वह टूट कर थोड़ा या ज्यादा बाहर आ जाते है, तो उनमें नेक्रोसिस हो जाती है। इसमें उनके दांतों का गुदा मर जाता है और दांत की उम्र कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर ऐसी घटना 06 से 14 वर्ष के बच्चों के साथ घटित होती है।

डॉ0 प्रियांशी रितविक ने इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे दांतों का इलाज अगर सही समय में कर दिया जाए तो दांतों की उम्र बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि चोट लगने के 04 से 06 घंटे के अन्दर अगर पीड़ित बच्चे के दांत को लेकर चिकित्सक के पास इलाज के लिए ले जाया जाए तो दांत को पुनः जोड़ा जा सकता है। इस प्रक्रिया में दांत के अंदर के गुदे के इंफेक्शन का दूर कर इलाज किया जाता है। उन्होंने बताया कि हालांकि इलाज में देरी की वजह से दांत को वापस जोड़ने में काफी मुश्किल आती है और कई मामलों में इलाज में देरी के चलते दांत दोबारा लगाना असंभव भी हो जाता है।

डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक एंड प्रिवेंटिव डेनटेस्ट्री, फैकेल्टी ऑफ डेंटल साइंसेज के विभागाध्यक्ष डॉ0 राकेश कुमार चक ने बताया कि एम0डी0एस0 के स्टूडेंट्स इस ऑरेशन के माध्यम से नई जानकारियां एवं ज्ञान प्राप्त कर इसका लाभ आमजन एवं मरीजों को दें सकें इसी उद्देश्य से इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

डॉ0 राकेश कुमार चक ने बताया कि उनके विभाग द्वारा नए वर्ष पर 01 जनवरी 2019 से 24 घंटे ऑनलाइन कॉल के आधार पर इमरजेंसी पीडियाट्रिक डेंटल ट्रॉमा यूनिट का संचालन किया जा रहा है। जिससे आमजन को जबड़े में चोट लगने या दुर्घटना में घायल मरीज को तत्काल चिकित्सा सुविधा एवं राहत प्रदान की जा सके।

इस अवसर पर लखनऊ के कई अन्य निजी मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। इसके साथ विभाग के रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ0 जे0एन0 जायसवाल, डॉ0 आर0के0 सक्सेना, डॉ0 फिरोजा समधी, डॉ0 एस0डी0 ग्रोवर आदि को विभागाध्यक्ष डॉ0 राकेश कुमार चक द्वारा सम्मानित किया गया।